## ॥ सुब्रह्मण्याष्टोत्तरशतनामाविलः॥

१०

स्कन्दाय नमः गुहाय नमः

षण्मुखाय नमः

फालनेत्रसुताय नमः

प्रभवे नमः

पिङ्गलाय नमः कृत्तिकासूनवे नमः

शिखिवाहाय नमः

द्विषङ्गजाय नमः

ाक्ष<sub>रभु</sub>जान रानः द्विषण्णेत्राय नमः

शक्तिधराय नमः

पिशिताशप्रभञ्जनाय नमः

तारकासुरसंहारिणे नमः

रक्षोबलविमर्दनाय नमः

मत्ताय नमः

प्रमत्ताय नमः

उन्मत्ताय नमः

सुरसैन्यसुरक्षकाय नमः

देवसेनापतये नमः

प्राज्ञाय नमः

कृपालवे नमः

भक्तवत्सलाय नमः

उमासुताय नमः शक्तिधराय नमः

कुमाराय नमः

क्रौञ्चदारणाय नमः

सेनानिने नमः

अग्निजन्मने नमः

विशाखाय नमः

शङ्करात्मजाय नमः शिवस्वामिने नमः

गणस्वामिने नमः

सर्वस्वामिने नमः

सनातनाय नमः अनन्तमूर्तये नमः

अक्षोभ्याय नमः

पार्वतीप्रियनन्दनाय नमः

गङ्गासुताय नमः

शरोद्भूताय नमः

आहूताय नमः

γo

३०

| पावकात्मजाय नमः     |    | गभस्तये नमः             |    |
|---------------------|----|-------------------------|----|
| जृम्भाय नमः         |    | गहनाय नमः               |    |
| प्रजृम्भाय नमः      |    | चन्द्रवर्णाय नमः        |    |
| उज्जृम्भाय नमः      |    | कलाधराय नमः             |    |
| कमलासनसंस्तुताय नमः |    | मायाधराय नमः            |    |
| एकवर्णाय नमः        |    | महामायिने नमः           |    |
| द्विवर्णाय नमः      |    | कैवल्याय नमः            |    |
| त्रिवर्णाय नमः      |    | शङ्करात्मजाय नमः        | ७० |
| सुमनोहराय नमः       |    | विश्वयोनये नमः          |    |
| चतुर्वर्णाय नमः     | ५० | अमेयात्मने नमः          |    |
| पञ्चवर्णाय नमः      |    | तेजोयोनये नमः           |    |
| प्रजापतये नमः       |    | अनामयाय नमः             |    |
| अहस्पतये नमः        |    | परमेष्ठिने नमः          |    |
| अग्निगर्भाय नमः     |    | परब्रह्मणे नमः          |    |
| शमीगर्भाय नमः       |    | वेदगर्भाय नमः           |    |
| विश्वरेतसे नमः      |    | विराद्वताय नमः          |    |
| सुरारिघ्ने नमः      |    | पुलिन्दकन्याभर्त्रे नमः |    |
| हरिद्वर्णाय नमः     |    | नहासारस्वतावृताय नमः    | ८० |
| शुभकराय नमः         |    | आश्रिताखिलदात्रे नमः    |    |
| वटवे नमः            | ६० | चोरघ्नाय नमः            |    |
| पटुवेषभृते नमः      |    | रोगनाशनाय नमः           |    |
| पूष्णे नमः          |    | अनन्तमूर्तये नमः        |    |
| •                   |    | C. C.                   |    |

आनन्दाय नमः

शिखण्डिने नमः

कृतकेतनाय नमः

डम्भाय नमः

परमडम्भाय नमः

महाडम्भाय नमः ९०

वृषाकपये नमः

कारणोत्पत्ति-देहाय नमः

कारणातीत-विग्रहाय नमः

अनीश्वराय नमः

अमृताय नमः

प्राणाय नमः

प्राणायामपरायणाय नमः

विरुद्धहन्त्रे नमः

वीरघ्वाय नमः

रक्तश्यामगलाय नमः १००

सुब्रह्मण्याय नमः

गुहाय नमः

प्रीताय नमः

ब्रह्मण्याय नमः

ब्राह्मणप्रियाय नमः

वंशवृद्धिकराय नमः

वेदवेद्याय नमः

अक्षयफलप्रदाय नमः

॥इति श्री-सुब्रह्मण्याष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

This stotra can be accessed in multiple scripts at: http://stotrasamhita.net/wiki/Subrahmanya\_Ashtottara\_Shatanamavali.

Begins generated on October 13, 2024